Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 11512212

Roll No. 24029000612
Total Mark 55/75.00

Exam MA-III_ODD_EXAM_NOV_2025
Subject A010906T - Premchandra (Elective)

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	4/5						
1B	4/5						
1C	4/5						
1D	3/5						
1E	4/5						
1F	3/5						
1G	3/5						
1H	3/5						
1I	3/5						
2	0/15						
3	13/15						
4	0/15						
5	0/15						
6	0/15						
7	0/15						
8	11/15						
9	0/15						

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

PART-I

Date of Exam: 12-11-25 Shift: ...... Room No.: 6

Paper Code: A010906T Subject: Hindi Year/Sem: 3rd

Name of Candidate: SAHASTRANSHU MISHRA

Roll No.: 240290000612

Signature of Candidate: सहस्रांशु मिश्र

Signature of Invigilator

COE Facsimile

PART-II

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures ...... Max. Marks

Total Marks in Words

A010906T

Paper Code

Signature of Evaluator

PART-III

Course: M.A.

Session: 2025-26 Year/Semester: 3rd

Subject: Hindi

Paper Code: A 0 1 0 9 0 6 T

Exam Date: 1 2 1 1 2 0 2 5

Name of Candidate: SAHASTRANSHU MISHRA

Father's Name: KAMLESH KUMAR MISHRA

महाविद्यालय का कोड College Code: KNOL (OMR bubble grid)

परीक्षा केन्द्र का कोड Exam Centre Code: KNOL (OMR bubble grid)

परीक्षा का प्रकार Type of Exam: संस्थागत Regular (marked) / पुराने छात्र Ex. Student / व्यक्तिगत Private / बैक पेपर परीक्षा Back paper Exam

ANSWER BOOKLET NO.

11512212

A010906T

Paper Code

PART-IV

नामांकन संख्या Enrollment Number: CSJMA24000119568

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number: 240290000612 (OMR bubble grid)

पेपर कोड Paper Code: A010906T (OMR bubble grid)

Signature of Candidate: सहस्रांशु मिश्रा

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट: 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पन्ने के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें। 2. बॉक्स में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below blacken the circles completely.

Correct method

Incorrect method

4. Make no Stray marks on this sheet.
5. **DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.**

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र कोड सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृ (1–24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्त पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसकी परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर क निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा को कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. B कोपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

IN ORDER TO AVOID UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/ electronic watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Pape Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-32) or any other kind of damag in your answer script, if found than change the answer scrip immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g Subject Code. Subject Name and Question of the Questio Paper during first THIRTY MINUTES of the commencement o the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over paper should fill in status as Carry Over. Those appearing as Ex Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

अनुचित साधन से बचने हेतु:

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखें तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लावें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाईल, डिजिटल डायरी, कोपी, पुस्तक या सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मैमोरी लेस साइंटफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रूपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numberals in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9

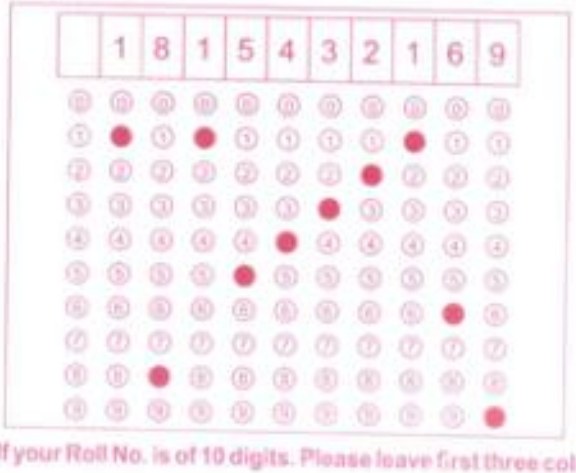

Note - If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns.

Paper Code

01

खण्ड-अ

(क)

प्रेमचंद का जन्म कब हुआ —

हिंदी उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को हुआ था।

प्रेमचंद जी का कथा साहित्य में एवं उपन्यास की रचना में अनुपम योगदान है। कहानी गढ़ने की कला में सिद्धहस्त प्रेमचंद का जन्म पराधीनता के काल में हुआ।

प्रेमचंद जी के जन्म के आठवें वर्ष में माता आनन्दी देवी का देहांत हो गया।

प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा जन्मस्थान पर ही सम्पन्न हुई। गद्य के अध्ययन में वो महत्वपूर्ण विधाओं उपन्यास एवं कहानी के प्रति आपका योगदान अविस्मरणीय है। जीवन के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आकर आपने साहित्य

Do Not Write anything in this Portion

साधना के माध्यम से जन-जन के कल्याण का ध्येय साधकर पीड़ितों, वंचितों एवं दलितों के स्वर को लेखनीबद्ध करके साहित्य लेखन को नयी धारा प्रदान की।

(b)

'ईदगाह' कहानी का प्रकाशन वर्ष -

प्रेमचंद जी द्वारा लिखित हृदयस्पर्शी कहानी वर्ष 1933 में प्रकाशित हुई।

यह कहानी प्रेमचंद द्वारा लिखित श्रेष्ठ कहानियों की सूची में अग्रगण्य है।

कहानी की पृष्ठभूमि में —
- वृद्धा अमीना (दादी)
- पोता, हामिद
- ईद का मेला
- चिमटे की खरीद

का उल्लेख है।
अमीना के घर में पैसों का अभाव है, पोता हामिद अभी बालक ही है। ईद का त्योहार आया है। सभी जाकर के मेला देखने की तैयारी में लगे है।
हामिद भी मेला देखने जाएगा, और मेला देखने के लिए पैसे चाहिए, अमीना कैसे भी व्यवस्था करके हामिद को तीन पैसे की व्यवस्था करती है।
मेले में जब सभी

मित्र — महमूद → वकील
नूरे → सैनिक
सम्मी → धोबिन
मोहसिन → भिश्ती
} खिलौनों की खरीद

करते हैं, तब हामिद अपनी बूढ़ी दादी के लिए चिमटा खरीदकर अपनी छोटी सी उमर में बड़ों की सी संवेदनशीलता का परिचय देकर नया प्रतिमान उपस्थित करता है।

Do Not Write anything in this Portion

CO 04

Paper Code

(c)

होरी किस उपन्यास का पात्र है -

"ग्रामीण जीवन का महाकाव्य" कहलाने वाला उपन्यास ~~का~~ गोदान का नायक है होरी। (प्रकाशन - 1936) होरी के माध्यम से लेखक प्रेमचंद ने ग्रामीण जीवन की समस्याओं के साथ कृषक जीवन की विडंबना प्रस्तुत की है। उपन्यास में होरी के साथ अन्य पात्र भी है —

~~बुधिया~~ धनिया - होरी की पत्नी

गोबर - होरी का पुत्र

हीरा-शोभा - होरी के भाई

पुनिया - हीरा की पत्नी

झुनिया - गोबर की पत्नी

भोला, मातादीन, सिलिया आदि

रूपा, सोना - होरी की पुत्रियाँ

Do Not Write anything in this Portion

गोदान से कृषक जीवन की गाथा कहने का कारण गोदान की विशाल को समेट लेने की शक्ति है। जिसमें ग्राम की रहने की प्रवृत्ति, शोषण के हथकंडो आदि का सजीव वर्णन किया है।

(d)

डॉ० चड्ढा किस कहानी के पात्र हैं

प्रेमचंद द्वारा लिखित कहानी (मंत्र) जिसका प्रकाशन वर्ष 1928 में हुआ था के है।

डॉ० चड्ढा एक जाने माने चिकित्सक हैं वे काफी धनसम्पन्न हैं। अन्य पात्र -

भगत - वृद्ध व्यक्ति

कैलाश - डॉ चड्ढा का पुत्र

मृणालिनी - कैलाश की मित्र

कहानी में डॉ० चड्ढा को काफी सहकारी और असंवेदनशील रूप

Do Not Write anything in this Portion

06

उभरकर सामने आया है, जिसमें वह अपने गेम (बैडमिंटन) खेलने के समय भगत के मरणासन्न पुत्र का इलाज करने के लिए मना कर देते है। वही भगत समय आने पर जब उनके इकलौते पुत्र कैलाश को साँप काट लेने पर मौत के मुँह से वापस खींच लाते है तब डक्टर की बीवी उनको कुछ मांग लेने के लिए कहती है पर भगत कुछ नहीं लेते तब डक्टर की बीवी का कथन है—

"बुड्ढा तम्बाकू का भी मोहताज न हुआ।"

(८)

'कर्मभूमि' किस विधा की रचना है –

कर्मभूमि उपन्यास विधा की रचना है। आपने अनेक उपन्यास लिखे जिनमें –

- → रंगभूमि → मंगलसूत्र
- → गबन → निर्मला
- → गोदान → प्रेम
- → सेवासदन → प्रतिज्ञा
- → देवस्थान रहस्य → प्रेमाश्रम
- → वरदान → कायाकल्प

आदि अत्यधिक प्रसिद्ध हैं। प्रेमचंद के उपन्यास जनजीवन की गाथा गाने वाले उपन्यास। हर उपन्यास एक अलग पीड़ा की अभिव्यंजना है, जो पात्रों के माध्यम से प्रस्तुत होती है। उपन्यास के क्षेत्र में प्रेमचंद का योगदान अविस्मरणीय है। जो न केवल साहित्य को समृद्ध करता है। वरन् तत्कालीन भारत की परिस्थिति का, जीता जागता उदाहरण है।

Do Not write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

08

(f)

ईदगाह किस विधा की रचना है –

प्रकाशन → 1933

प्रेमचंद जी द्वारा लिखित ईदगाह कहानी विधा की रचना है। ईदगाह के माध्यम से प्रेमचंद जी ने अभावों में पल रहे बालक की बड़ों जैसी समझबूझ और संवेदनशीलता को केंद्र में रखा है।

बुढ़िया दादी अमीना के हाथ रोटी सेंकने में तवा के अभाव में जल जाते हैं, इस हेतु वह अन्य मित्र जो खिलौने [illegible] रहे होते हैं –

महमूद → सिपाही
नूरे → वकील
सम्मी → धोबिन
मोहसिन → भिश्ती

} खरीदे गए खिलौने

की बजाय दादी माँ के लिए चिमटा खरीद लेता है।

Paper Code

09

(ग)

'पंचपरमेश्वर' का प्रकाशन वर्ष –

'पंचपरमेश्वर' कहानी का प्रकाशन वर्ष — 1916 है। यह कहानी दो बचपन के मित्र जुम्मन मियाँ और अलगू चौधरी की कहानी है। जिसमें दोनों की मित्रता की प्रगाढ़ता बहुत अधिक है। परंतु जब जुम्मन की खाला का प्रश्न पचायत में आता है तो पंच की भूमिका में बैठे मित्र अलगू जुम्मन के विरोध में फैसला देते है।

यही परिस्थिति अलगू के साथ घटित होती, तब जुम्मन द्वेष छोड़कर सही फैसला सुनात हैं।

न्याय भावना की पवित्र भावना को सर्वोपरि रखकर 'पचपरमेश्वर की जय' इस कथन के साथ कहानी चरमोत्कर्ष प्राप्त कर समाप्त हो जाती है।

(H)

प्रेमचंद का जन्म कहाँ हुआ था-

प्रेमचंद का जन्म वाराणसी के लमही ग्राम में 31 जुलाई 1880 को हुआ था।

पिता - अजायबराय
माता - आनंदी देवी
पत्नी - शिवरानी देवी

'प्रेमचंद' का वास्तविक नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। इनके चाचा ने इन्हें "नवाबराय" नाम दिया था जिससे वे कई कहानियाँ लिखा करते थे।

⇒ मुंशी दयानारायण निगम के सुझाव पर आपका नाम "प्रेमचंद" रखा।

साहित्य के अमर लेखक प्रेमचंद हिंदी के आकाश में प्रकाश स्रोत के रूप में विद्यमान हैं।

Do Not Write anything in this Portion

(I)

'कर्बला' किस विधा की रचना है –

साहित्य आकाश में सूर्य की भाँति प्रकाशवान प्रेमचंद की रचना कर्बला नाटक विधा की रचना है।

आपने कहानियों के साथ उपन्यास एवं नाटक भी लिखे। आप पहले उर्दू में भी लिखते थे; [illegible] लेखक की कृतियाँ इस प्रकार हैं –

⇒ असरार-ए-मआबिद

⇒ किशना

⇒ जलवा-ए-ईसार

⇒ बाजार-ए-हुस्न

⇒ गोशा-ए-आफियात

⇒ चौगान-ए-हस्ती

बाद में इनके हिंदी संस्करण भी आपके द्वारा लिखे गए हैं।

इस प्रकार प्रेमचंद जी एक विविध

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

प्रेमचंद सम्पन्न साहित्यकार थे। जिन्हें कथा सम्राट या उपन्यास सम्राट कहना किसी प्रकार से भी अतिशयोक्ति न होगा।

आपके लेखन ने हिंदी में कहानी लेखन की क्रांति की, उपन्यासों को नया आधार दिया और भारतीय समाज का यथावत चित्र प्रस्तुत किया।

खण्ड–ख

(3)

आदर्श बालक 'हामिद' के गुणों का वर्णन करते हुए कथन की सिद्धि –

हजारी प्रसाद द्विवेदी जी कथन है –

" यदि उत्तर भारत के लोगों का रहन-सहन, आचार-विचार, सूझ बूझ, सुख-दुःख, आशा-आकांक्षा जानना चाहते है; तो प्रेमचंद के अलावा कोई सशक्त नाम सामने नहीं आता।"
– हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्रेमचंद जी ने अपनी कहानियों में अनेक प्रकार की कथावस्तुओं को आधार बनाया है। इन सभी कहानियों में 'ईदगाह' अपने आप में अनोखा है; जिसमें प्रेमचंद एक बालक और उसकी

वृद्धा दादी अमीना के माध्यम से मर्मस्पर्शी चित्र प्रस्तुत करते है।

"प्रेमचंद के पात्रों में हामिद आदर्श पात्र है।" इस कथन की सिद्धि हेतु हामिद के गुणों का वर्णन एवं विशेषता अधोलिखित है —

▲ सजग एवं चेतना से पूर्ण —

⇒ हामिद एक चेतनायुक्त एवं सजग बालक है यह तब पता चलता है जब वह अपनी दादी अमीना की जली हुई अंगुलियों को देखकर यह चित्त में बिठा लेता है कि उसके पास चिमटे का अभाव है।

⇒ हामिद मेले में भी जाकर खरीद-दारी करते समय सभी दुकानों का प्रत्य निरीक्षण करता है, और लेखक हामिद के माध्यम से मेले का दृश्य उपस्थित करते है।

कुशाग्रबुद्धि युक्त -

⇒ हामिद का चित्त कुशाग्र है, वह मेले में चिमटे की खरीद के दौरान मोलभाव करते समय यह स्पष्ट करता है।

⇒ हामिद जब मेले से चिमटाकर खरीदकर लाता है तब उसे पता है कि कैसे उसे चिमटा सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करना है।

परिपक्व एवं सहज -

⇒ हामिद अपने [illegible] के अनुरूप बहुत अधिक परिपक्व है, वह अपने बचपने को मारकर चिमटा खरीदता है।

⇒ अन्य बच्चों के खिलौने देखकर वह असहज नहीं है, बल्कि सहज होकर आ[illegible]ती है।

वाक्पटुता से सज्ज -

⇒ वाक्पटुता से वह सभी के खिलौनों की निरर्थकता सिद्ध कर अपने तर्कों के बल पर टोली में आकर्षण का केंद्र बनकर स्वर्ग आनंद उठाता है।

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

▲ प्रत्युत्पन्नमति बालक -

⇒ जब वह देखता है कि सभी के खिलौनों के आगे चिमटा कमजोर न पड़े; तो त्वरित बुद्धि निर्णय की क्षमता से चिमटे के ऐसे गुण जैसे अविनाशी, अग्निवीर, जलवीर आदि बता कर बाजी मार लेता है।

▲ स्वाभिमानी चरित्र -

⇒ हामिद का चरित्र स्वाभिमानी है, वह अन्य बालकों की मिठाइयों, पकवानों की सुगंध से पानीमय तो हो जाता है, परंतु भूलकर भी याचना का कार्य वह नहीं करता; स्वाभिमान इसका गुण है।

▲ वात्सल्य एवं स्नेह से पूर्ण -

⇒ हामिद अपनी दादी के लिए चिमटा खरीद कर यह सिद्ध करता है, कि यह अदना सा बालक कितना विशाल मन वाला और स्नेह पूर्ण है।

त्याग का मूर्त प्रतिमान, बड़ो के समान उत्तरदायी, सयंमी और न जाने अनेक गुणों से युक्त हामिद एक आदर्श बालक है।

हामिद के चिमटे को देख उसकी दादी याद करके (बाल मन की इच्छाओं को) और त्याग स्मरण से उसे छाती से लगाकर रोती है।

अतः यह कहना कि "हामिद प्रेमचंद के पात्रों में आदर्श बालक है।" सर्वथा उचित और सार्थक है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

खण्ड - ग

(8)

प्रेमचंद के कथ्य और शिल्प में भारतीयता और लोकजीवन की झलक मिलती है -

प्रेमचंद स्वयं लिखते हैं —

" साहित्यकार का कार्य केवल मनोरंजन करना नहीं है, वह तो भाटों और मदारियों, मसखरों और विदूषकों का है। मानव स्वभाव में सद्गुणों की जागृति साहित्यकार का कार्य है। कम से कम उद्देश्य तो यही है। "

Do Not Write anything in this Portion

प्रेमचंद ने अपने इस कथन में स्पष्टतः कहा है कि साहित्य रचना का उद्देश्य मानव का कल्याण है; चेतना की जागृति है। मनोरंजन नहीं। प्रेमचंद के उपन्यासों में सर्वत्र भारतीय जीवन की झलक मिलती है।

आपकी कहानियाँ—

- बड़े घर की बेटी
- शतरंज के खिलाड़ी
- कफन
- गुल्ली डंडा
- पूस की रात
- दो बैलों की कथा
- नमक का दरोगा
- बड़े भाई साहब
- आत्माराम
- नशा
- बलिदान
- अलगोझ्या
- बूढ़ी काकी
- मंत्र

Do Not write anything in this Portion

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

मैं भारतीयता की सर्वत्र झलक मिलती है।

⇒ पात्रों के विचार एवं सवांद

⇒ कथानक की व्यापकता

⇒ देशकाल एवं वातावरण

⇒ गद्य का उद्देश्य

⇒ पात्र परिचय एवं चरित्र

आदि के माध्यम से आप शिल्प के सभी पक्षों को समान प्रकार से सिद्ध करते हैं।

⇒ समाज की कुरीतियों

⇒ अन्याय, शोषण

⇒ कृषक ग्रामीय जीवन

⇒ नारी वेदना एवं विमर्श

⇒ सूदखोरी और महाजनी

प्रथाओं के माध्यम से आपने

तत्कालीन भारत में व्याप्त बुराइयों एवं लोक के लक्षणों का पूरा परिचय दिया है। तभी हजारी प्रसाद द्विवेदी का कथन है—

"यदि उत्तर भारत को जानना है, तो प्रेमचंद के अलावा कोई अन्य साधन नहीं नज़र आता।" — द्विवेदी जी

लोकजीवन की संवेदना —

प्रेमचंद ने लोकजीवन की संवेदनाओं को उभारा और चेतना जागृति के नए स्वर दिए —

डॉ० मदान कहते हैं—

"साहित्य के दो कार्य हैं; समाज का वर्णन करना और समाज में परिवर्तन लाना, प्रेमचंद पहले

Do Not Write anything in this Portion

वलि के पक्षधर हैं।"
—डॉ० नवान

⇒ प्रेमचंद की भाषा भी
उनके कथ्य और शिल्प के
समान रहती है—

⇒ डॉ० रामविलास शर्मा लिखते हैं—
" प्रेमचंद शैलीकार नहीं साहित्यकार
थे, वे भाषा लिखना न जानते
थे। वे वेदना लिखते थे; इसी
लिए पंडितों से पहले आम
जनता ने उन्हें अपनाया।"
प्रेमचंद सरीखे उपन्यासकार
यदा कदा ही अवतरित होते
है, जो साहित्य को " मानव
मन के परिष्कार " का साधन

मानकर जीवन में अक्षर-अमर हो जाते हैं।

'लेखक, कुशल, ज्ञान-विशारद
कलाकार पण्डित ज्ञानी
कनक नहीं कल्पना ज्ञान
साहित्य धन के अभिमानी।'

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion